20 / 06 / 77 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

सदा सहजयोगी बनने का साधन

महादानी बनने का अनुभव

➢➢ मैं ईश्वरीय सेवाधारी आत्मा हूँ...

➳_ ➳ हर संकल्प से सेवा कर रही हूँ...

➳_ ➳ सर्व खजानों की मैं महादानी आत्मा हूँ...

➳_ ➳ मैं सहजयोगी हूँ...

➳_ ➳ निरंतर योगी आत्मा हूँ...

➳_ ➳ श्रेष्ठ ब्राह्मण आत्मा हूँ...

➳_ ➳ मास्टर सर्व शक्तिवान आत्मा हूँ...

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी हूँ...

➳_ ➳ मास्टर ज्ञान सागर आत्मा हूँ...

→ मेरे लिए हर कर्म व संकल्प सहज हो रहा है...

→ बाप और सेवा यही मेरा संसार है...

→ मेरे सर्व सम्बन्ध एक बाबा से है...

→ सर्व प्राप्तियों का अनुभव एक बाबा से कर रही हूँ..

→ बाप से सर्व संबंधों का अनुभव कर रही हूँ..

→ मैं आत्मा सदा सहजयोगी हूँ...

→ सदा सहयोगी हूँ...

■ मैं हर संकल्प, वाणी और कर्म से सभी आत्माओं की सेवा कर रही हूँ...

■ बाप से प्राप्त सभी खजानों को सेवा में लगा रही हूँ...

▶ शक्तियों का खजाना...

▶ ज्ञान का खजाना...

▶ गुणों का खजाना...

▶ श्रेष्ठ कमाई के समय का खजाना...

▶ सेवा में लगाकर सहयोगी बन रही हूँ...

▶ अपनी वृत्ति से वायुमंडल लो श्रेष्ठ बना रही हूँ..

▶ स्मृति से मास्टर सर्व शक्तिवान की स्मृति दिला रही हूँ..

▶ वाणी से योगी बनने का सन्देश दे रही हूँ...

▶ हर कदम में पद्मों की कमाई जमा कर रही हूँ...

▶ हर बात में सहयोगी बन रही हूँ...

▶ सहजयोगी बन रही हूँ...

➢➢ मैं सहयोगी आत्मा हूँ...

➳_ ➳ सर्व खजानों से संपन्न हूँ...

➳_ ➳ सभी को महादानी बन खजाने दे रही हूँ...

➳_ ➳ सर्व के प्रति कल्याणकारी बन रही हूँ...

➳_ ➳ बेहद की सेवाधारी बन रही हूँ...

➳_ ➳ मैं उदारचित्त हो खजाने बाँट रही हूँ...

→ मैं सेवा में समय सफल कर रही हूँ...

→ ख़ुशी और शक्ति का अनुभव कर रही हूँ..

→ मैं सफलता स्वरुप बन रही हूँ...

■ हर आत्मा के उद्धार के निमित्त बन रही हूँ...

■ मैं सदा बाप और सेवा में तत्पर हूँ...

■ मैं सर्व खजानों की महादानी आत्मा हूँ...